

मुद्रा लभ मे लभ्या लभ मे पि  
 यद्र वभ मे श्या साका लभ मे  
 नी वार लभ मे जो लू सा लभ मे  
 मलू रा लभ मे जते न क लभ  
 म् ॥ ॥ फल लभ ॥ ॐ मतो  
 जूति जु लभ ता मा लभ लभ  
 लभ ति लभ ता मि संत जो लभ  
 रि लभ लभ लभ लभ लभ लभ  
 लभ ॥ वि लभ दे लभ ॥ ५ लभ  
 द लभ लभ लभ लभ लभ लभ  
 ॥ १ लभ लभ लभ ॥ इति लभ  
 न क ल लभ लभ ॥ ॥ ततो  
 दे लभ लभ लभ लभ ॥ ॐ लभ  
 लभ लभ लभ लभ लभ लभ  
 लभ लभ लभ लभ लभ लभ  
 लभ लभ लभ लभ लभ लभ

सूत्रि लभ लभ लभ लभ ७



कौं उं कारे रा सा हा ॥ ए का प्र सी ते  
नि ध्या य ॥ शु वा ग्रे प ल वं नि ध्या य  
॥ वा म ह सो न वि सं गी र्थ्य कु शे  
न वृ ह्ना रां रा स्यु त्वा द क्षि रा ह  
से न वृ तं जु ह या त् ॥ शु वे न  
॥ उं म नु प्र जा प त ये स्वा हा  
॥ इ दं म नु प्र जा प त ये त्या गः ॥ ॥  
शु ग स्य प ल वे रो षा ज्ये न त्या  
गः ॥ उ प स्य शे नं ॥ त्या ग स हि ते  
न स र्व व्र त धे व क र्त्तव्यं ॥ ॥ वि  
सं गी र्थ्य कु शे न व र्त्ति स्त्रि वा र शु द्धी  
र्य ॥ उं श म्मी स्य व वृ त ६ र द्यो  
व वृ ता ६ म् रा त यो दि त्या स्य ग  
मि प्र ति त्वा दि ति र्हे त्तु ॥ वि ष  
रा णा मि प र्व ती ग ति त्वा दि त्या स्य  
वे त्तु ॥ दि व र्त्त म्नी र मि धि  
म रा णा मि प र्व ते यी प्र ति त्वा प र्व  
ती वे त्तु ॥ ॥ ॥ उ प म न म्ने  
ना त्म व्यं ज नं ॥ उं म्ने व ज

जि द्वा जं त्वा रा टि षां तं वा ज जि  
त ६ स म्मा जि ॥ ॥ वा म ह सो ने  
ए तं ॥ उं इन्द्र स्या व जो सि वा ज  
सा ल या यं वा ज ६ से त् ॥ वा ज स्य  
उ प्र स वे सा त रं म हि म दि तिं ता म  
व च सा क रा म हे ॥ य स्या मि दं वि  
श्वं भु व न मा वि वे रा त स्या नो दे व  
स वि ता क्ष म्मी सा वि ष त् ॥ ॥ नः  
मि न्द्रु ज ये त् ॥ उं इन्द्रा य न मः  
॥ उं व ज्रे ह स्ता य न मः ॥ उं सु रा धि  
प त म न म ॥ उं वा ता र मि न्द्रु मा व  
ता र मि न्द्रु ६ ह वे ह वे सु ह व ६ म्  
र मि न्द्रु ॥ रु या मि श क्कु म्भु  
रु ह त मि न्द्रु ६ स्य मि नो म द्य  
वा ध्या नि न्द्रुः ॥ ॥ त तः पु जा न  
ति दे व ता म न मा सं चि न्य ॥ व  
ह्ना प्र सी त वे द लो क ना ला र्क्ष  
नं ॥ पु तः हो मे षु दे व र्त्त नं ॥



दुःखो गोपीत नू रौ नमराड  
 लंलिखेत् ॥ ॐ विं च्चा यनम  
 ॥ ॐ चतुः पीचा यरः ॥ ॐ देवा  
 गातये ॥ ॐ विदिशे ॥ ॐ  
 स्तुति यरः ॥ ॐ मत्तु यरः ॥ ॐ  
 पाता ला यरः ॥ ॐ जो यै ॥ ॐ  
 ध्या यै ॥ ॐ स्तु यरः ॥ ॐ  
 स्तु यरः ॥ ॐ जो गि म्परा य  
 रः ॥ ॐ मत्तु यो गी म्परा यर  
 ॥ ॐ विष्णु म्परा ॥ ॐ देवे म्परा  
 ॥ ॐ म्परा म्परा म्परा ॥ ॐ  
 ॐ म्परा म्परा म्परा ॥ ॐ म्परा म्परा म्परा  
 पुष्पांजलि दद्यात् ॥ ॐ  
 सर्वे म्परा देवे म्परा ॥ सोपो  
 ले ॥ ॥ म्परा म्परा म्परा म्परा  
 ॥ ॐ गि गो ना मा मि म्परा वि  
 ति हो पिता तमस्तै ॥ म्परा

मा मा हि ॥ ॐ म्परा म्परा  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 यरा यरा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 यरा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 ये म्परा ॥ ॥ कु म्परा म्परा म्परा  
 ॐ उ म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा ॥ ॥  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 लजलेन ॥ ॐ द म्परा म्परा म्परा  
 पितृ म्परा ॥ ॐ म्परा म्परा म्परा  
 ॥ म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 नै ॥ ॐ म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 कु म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 म्परा ॥ ॐ म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा  
 म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा म्परा



स्वाहा सज्यो नि षा ज्योतिः  
स्वाहा ॥ इतीन्द्राग्न्यागः ॥ त  
त श्ये क्षुत्ते म ॥ ॐ सुप्रभे स्वा  
हा ॥ इदं सगयेत्यागः ॥ सो  
माय स्वाहा ॥ इदं सोमाय स्वा  
गः ॥ ॐ सुग्रीषो मा भ्यां स्वा  
हा ॥ इदं सगिषो मा भ्यां ॥ ॐ  
सुग्रीषिषिषु हृदं कृषो  
या मे या मे मे शिव यजुषे  
यजुषे स्वाहा ॥ ॥ ततो जि  
हा होमं ॥ ॐ हिरण्यये स्वा  
हा ॥ इदं हिरण्यये ॥ ॐ कन  
काये स्वाहा ॥ इदं कनका  
ये ॥ ॐ रक्ताये स्वाहा ॥ इदं र  
क्ताये ॥ ॐ कृष्णाय स्वाहा ॥ इदं  
कृष्णाय ॥ ॐ सुप्रभाय स्वाहा ॥  
इदं सुप्रभाय ॥ ॐ प्रतिरक्ता

ये स्वाहा ॥ इदं प्रतिरक्ताये ॥ ॐ  
सव्यवहृक्ताये स्वाहा ॥ इदं  
सव्यवहृक्ताये ॥ ॥ सुप्रभे स्वा  
हा ॥ ॐ सपुते सुग्रीः समिध  
ः सपुग्रीः सपुः सुप्रयः स  
पुत्रासप्रियागि सपुहो जाम  
पुत्रात्वायजति सपुको निराण  
रा सव्यवहृतेन स्वाहा ॥ एकमि  
हा स्थापनं ॥ ॥ ततः न च गय  
तो मं ॥ ॐ इन्द्रवरीवती क्षेपुम  
तीति श्रुतं सूत्रवसिनी म  
न वेद सा स्या ॥ काष्ठाभ्राते द  
सि विष्णवे ते दा चार्थं वृषि  
वी सभितो मयूखैः स्वाहा ॥  
ॐ इदं विष्णुः ॥ ॐ मानसो के  
तेन ये मानः स्या पुनिमानो  
गोपुमानो सुप्रवृषीरिषः



मानोवीयवृद्धभासिनोवृद्धी  
हविष्मत्तः सदसिन्नाहनाम  
हेस्वाहाः॥ॐ तच्छुभुर्देवहितं  
पुरस्तादुक्तमुच्चैरदः॥ यश्चे  
स शरदः शतं जीवे स शरदः श  
तं॥ शुभायाम शरदः शतं प्रवृ  
त्तायाम शरदः शतं मदिनाः स्याम  
शरदः शतं भूयश्च शरदः श  
तोत्पाहा॥ॐ चिन्तयेन्नाममुदा  
गादनीकं चक्षुर्मिन्नस्य बहूना  
स्याग्नेः॥ प्राप्राथावावृषिर्वी  
श्वत्तरेक्षि॥ॐ॥ प्राप्ताज  
गतस्तस्युषश्च स्वाहा॥ॐ॥  
नेमिन्निकृते स्वाहा॥ इति ज  
त्रे गथा होमः॥॥ ततो विरो  
षहो मयूतेन॥ चरुमन्त्रा  
गः॥ॐ॥ इदं गद्य स्वाहाः॥ इदं  
रुद्राय नमः॥ॐ॥ गोविन्दाय नमः॥

स्वाहा॥ इदं यो ज्येष्ठे॥ॐ॥ इह र  
ति स्वाहा॥ इदं इह रतये॥ॐ॥  
इह रम ज्येष्ठे स्वाहा॥ इदं मि  
ह रम ज्येष्ठे॥ॐ॥ इह रति  
स्वाहा॥ इदं मिह रतये॥ॐ॥  
इह रति स्वाहा॥ इदं मि  
ह रति तये॥ॐ॥ इदं मज्ज  
रुता म्मावे चरुता मातरं च  
य स्वाहा॥ इदं मज्जमाय च  
रुता मावे चरुता मावेः॥  
ॐ॥ राय म्मावे चरुता मावे  
र स्वाहा॥ इदं राय म्मावे च  
रुता मावे चरुता मावेः॥ॐ॥  
रौद्राय स्वाहा॥ इदं रौद्राय स्वाहा  
य॥ इति चरुता मागः॥॥  
ततो वेदाहति॥ॐ॥ अथ वेदा  
य स्वाहा॥ इदं अथ वेदाय स्वा  
हा॥ॐ॥ अथ वेदाय स्वाहा॥ॐ॥



इदं वृत्तिः ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
इदं नमो भगवते ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥  
हा ॥ इदं नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥  
ब्रह्मणे नमः ॥ इदं ब्रह्मणे ॥ ॐ  
नमो भगवते ॥ इदं नमो भगवते ॥  
ॐ प्रजापतये नमः ॥ इदं प्रजा  
पतये ॥ ॐ इन्द्राय नमः ॥ इ  
दं इन्द्राय ॥ ॐ लक्ष्मीभ्यः  
नमः ॥ इदं लक्ष्मीभ्यः ॥ ॐ  
शिवाय नमः ॥ इदं शिवाय  
नमः ॥ ॐ देवेभ्यः नमः ॥ इ  
दं देवेभ्यः ॥ ॐ अग्नि  
भ्यः नमः ॥ इदं अग्निभ्यः ॥  
ॐ ब्रह्मणे नमः ॥ इदं ब्रह्म  
णे ॥ ॐ प्रजापतये नमः ॥ इदं प्र

साये ॥ आरणाये स्वाहा ॥ इदं आ  
 रणाये ॥ ॐ सदसस्यतये स्वा  
 हा ॥ इदं सदसस्यतये ॥ ॐ प्र  
 नुमतये स्वाहा ॥ इदं प्रनुमत  
 ये स्वाहा ॥ ॐ यजुर्वेदाय स्वा  
 हा ॥ इदं यजुर्वेदाय ॥ ॐ अमरि  
 क्षाय स्वाहा ॥ इदं अमरिक्षाय  
 ॥ ॐ वायवे स्वाहा ॥ इदं वायवे ॥  
 ॐ अनेन वरुणाय स्वाहा ॥ इदं अनेन  
 वरुणाय ॥ ॐ अज्ञाय स्वाहा ॥ इदं अ  
 ज्ञाय ॥ ॐ मेधाय स्वाहा ॥ इदं मे  
 धाय ॥ ॐ प्रज्ञाय स्वाहा ॥ इदं प्रज्ञा  
 यै ॥ ॐ आरणाये स्वाहा ॥ इदं आर  
 णायै ॥ ॐ सदसस्यतये स्वाहा ॥  
 इदं सदसस्यतये ॥ ॐ प्रनुमत  
 ये स्वाहा ॥ इदं प्रनुमतये स्वाहा  
 ॥ ॐ यजुर्वेदाय स्वाहा ॥ इदं



ल्यय ५५५: पुतातामंती तिसम  
 माता: ॥ इहोयावजीवृषभोर  
 राटे ५५५: प्राणेदेवीरिहमावदन्त  
 ॥ कषाय ॥ ५५५: यत्ताको ५५५  
 तेजिरागिराचदक्षमे ॥ पुपुवय  
 समृतंजातवेदसंप्रियस्मिन्त  
 स६-मिषम् ॥ ॥ दक्षिरो ॥ त  
 अकतागाय २ ॥ ५५५: सप्तपुत्र  
 य २ ॥ ५५५: सप्तपुत्रायन्वावाताय  
 स्वाहा सप्तपुत्रायन्वावाताय  
 स्वाहा सप्तपुत्रायन्वावाताय  
 यत्ताहा ५५५: पुत्रस्यवेत्तावाता  
 यत्ताहा ५५५: सप्तपुत्रायन्वावाताय  
 स्वाहा ॥ पञ्चव ॥ ५५५: विष्टोर  
 ट ॥ ॥ नै ५५५: नि ५५५: कर्क ५५५: टक  
 नागाय २ ॥ ५५५: तसप्तपुत्राय  
 ५५५: सप्तपुत्रेतेहृदयमंष्टु-मः  
 मन्त्राविशभोष्योहता



ॐ॥ यत्तस्य त्वाप न जने ह  
ते को न मो ना पे वि वे स य  
त्वा हा॥ प द्मा द य॥ ॐ वृत्त  
प नानं॥ ॥ पश्चि मे॥ ॐ  
प द्मा ना गा य २॥ ॐ सु ते द क  
स मु द्रा य २॥ ॐ स मु द्रो वि  
श्व य चोऽ स्मा यो स्य क पा  
द हि र मि तु ष्वा वा ग स्ये  
दे स मि स हो ह त ह रौ सा  
मा सं॥ ता पु स ष्य प ते पु सा  
ति र स स्ति मे स्ति प थि दे व  
पा ते भू या त॥ क स्य॥ ॐ न  
मः न भ म वा य च॥ ॥ वा य  
ये॥ ॐ स द्वा प द्मा ना गा २॥  
ॐ द भौ द क स मु द्रा य २॥ ॐ  
स मु द्रो मि न भ स्या ना ह्य  
व नुः सं भू र मि सा वा हि सा

ता व न स्य ति र मि तु व स्या न्द  
भू र्म यो भू र मि सा वा मि  
स्या॥ प न्न ग द्य॥ ॐ वा च ते  
भु ष्या मि द्रा रा ने भु ष्या  
मि व भु लो भु ष्या मि ता मि  
ने भु ष्या मि मे भु ने भु ष्या  
मि द्रा यु ने भु ष्या मि॥ ॥ ३  
ते रे॥ ॐ सं ख जाल ना गा य २  
॥ ॐ इ ह स मु द्रा य २॥ ॐ स  
मु द्रे ली तु म नाऽ सु स्र नं न  
चे द्वाऽ इ वे दि नोऽ पु ने ॐ  
ॐ त्रि ती ये नार ज मि न  
स्थि वा ॐ स म या मु प रथे  
म हि षाऽ सु व र्द्ध ह॥ प श्या  
म त॥ ॐ प यः प थि द्या म॥  
॥ ई रा ने॥ ॐ कु लि क ना गा



पर॥ ॐ सिन्धु सप्त दाय  
२॥ ॐ सत्रः सिन्धु रव भ  
आयो अतः सप्त देवः व  
दिशमानः मलिनः प्रपु  
नो यमारे जमा म्क विना  
रजा ॐ सिन्धी यमिन्धी रि  
तमा सविका ॥ यापुती ता  
सहोमि विष्णु ५ प्रज्ञा च  
रुणा पूर्व रु नौ ॥ ती जो द  
के ॥ ॐ पुन न सप्त स्यती  
मपि यति सप्त सप्तः सप्त  
स्यती नृप नो यो सो दे री  
मन स्र रि ॥ ॥ गंगा जला ॥  
ॐ ई म्मे ग डू य म्मुने सप्त  
स्यती शत दु स्रो मं सव  
ना ॥ यरु ५ सप्त स्यती

महद्विजे विन सप्त जा जि  
की ये म्मु शा या मु खो मया ॥  
॥ सुवरो दिक् ॥ ॐ हिर राय  
ग म्मः सप्त सवर्त ता जे म्  
त स्य जातः जति रे क ५ स्यामि  
र ॥ सदा यारु धिनी द्या  
मु ते मां क म्मे दे वा वि वि स ॥  
॥ मुजो द क ॥ ॐ सौ कान  
मिन्दु प्रति म्म ल मिन्दु वृ  
ष भा य मा शा वृष म म्म  
रा म्मा ॥ म्म दि नं प म्म लं  
सप्त स्यति रा दे वी भारती  
वि म्म त न्विती ॥ ॥ कुशो  
द क ॥ ॐ दे व म्म ल ॥ ॥ १  
नो द क ॥ ॐ हिर राय ग  
वर्तः ॥ ॥ ज लो द क ॥ ॐ  
याः फल नी जा ५ सप्त



लोऽश्रुपुष्पां जातिरुद्धि  
नीः॥ बृहस्पतिप्रसूतामा  
नोमुन्नेत्येहः हसः॥ गम्भी  
दक॥ ॐ गम्भी दारानुसंध  
वतिन्यपुष्पां नरिणी॥  
ईश्वरिण्यमरतां नानि  
रुपमिण्यं॥ ॥ मम॥ ॐ  
गाम्भी॥ ॥ गंगामृति  
का॥ ॐ प्रभुकांते॥ ॥  
विचूर्ण॥ ॐ प्रामिद्वैरि  
रिणिर्ग्याहिमपूरतेम  
मि॥ माताकेचिनिषम  
न्येनपाणिनीतिचन्य  
वतां ईदृहि॥ ॥ स्नात  
ओषधि॥ ॐ प्राऽओष  
धिपूषजातादेवेभ्यस्त्रि  
मुगंपुराः॥ गतेरुवभ्र

गाभ्रुहः शतं चोपानि  
सुप्रचै॥ ॥ ओषि॥ शुभि  
नोभेचजेततेजमेवम  
वभ्रुमागामिषिऽओषि  
सरमत्यैभेचजेववीर्या  
जात्राद्यागामिषिऽओषि  
दुष्टेद्विद्येणवलापशैष  
शमेमिषिऽओषि॥ ॥ कू  
जोदक॥ ॐ प्रापोऽश्रुमा  
न॥ ॥ द्यौर्वै॥ ॐ हेमनेन  
ऽश्रुनुनादेवास्त्रिणावेमह  
तस्मृताः॥ कलेनशकादी  
नहोहविदिदेवमोदधुः  
॥ ॥ नदीमहम॥ ॐ हि  
ताशितेसरितेभ्रुमह  
मेतनापुतामोदिवसुत्यव  
ति॥ ॥ वैदेनचविमजनि



